बी ए भूगोल पार्ट-1, पेपर-II, इकाई-IV

जापान में उद्योग (INDUSTRIES IN JAPAN)

जापान एशिया ही नहीं विश्व का एक महत्वपूर्ण औद्योगिक राष्ट्र है । इसने अपने मेहनत और तकनीक की बदौलत आश्चर्यजनक औद्योगिक उन्नति हासिल की है । उन्नीसवीं सदी के पहले जापान एक कृषि प्रधान देश था परंतु लघु उद्योग, कुटीर उद्योग, मिल उद्योग के बाद आधुनिक उद्योगों का विकास हुआ है । आज जापान की गिनती विश्व के प्रमुख औद्योगिक देशों में होती है ।

जापान में औद्योगिक विकास के कारण:

चीन - जापान युद्ध

जापान - रूस युद्ध

प्रथम विश्वयुद्ध

द्वितीय विश्वयुद्ध

कोरिया युद्ध

जापान में वास्तव में 1894-95 में हुए चीन - जापान युद्ध के बाद औद्योगिक विकास आरंभ हुआ । उपर्युक्त युद्धों के कारण जापान को सूती वस्त्र, बारूद, लोहा और इस्पात तथा सैनिक साजो-समान जलयान, वायुयान आदि की आवश्यकता के अनुरूप औद्योगिक उत्पादन करना पड़ा और जापान में उद्योगों का विकास शुरू हो गया । इसके अतिरिक्त निम्नलिखित कारण हैं:

जापान सरकार का सहयोग

सामुद्रिक की स्थिति

भौगोलिक स्थिति

उत्तम जलवायु

कुशल एवं सस्ते श्रमिकों की उपलब्धता

सस्ती जल विद्युत

परिवहन के साधन

औद्योगिक आधुनिकीकरण

औद्योगिक संबंध

कच्चे माल की प्राप्ति

उपर्युक्त अनुकूल परिस्थितियों के कारण जापान अपने औद्योगिक विकास को अग्रसर करता रहा ।

जापान के प्रमुख उद्योग

सूती वस्त्र उद्योग

जापान में सूती वस्त्र उद्योग काफी विकसित अवस्था में है । यहां १८६२ से लगातार सूती वस्त्र उद्योग हेतु प्रयास भी किए गए और सफल भी रहे हैं । जापान में निर्मित सूती वस्त्र को एशिया के बाजारों में बहुत पसंद किया गया । जापान में सूती वस्त्र उद्योग के विकास के निम्नलिखित कारण हैं:

समुद्र तटीय नम जलवायु, सस्ते व कुशल श्रमिकों की उपलब्धता, कपास की उपलब्धता-क्वांटो मैदान तथा आयात के द्वारा, जल विद्युत, जापान में तैयार सूती वस्त्र हेतु एशिया की घनी जनसंख्या जैसा बाजार, विकसित परिवहन के साधन, सरकार की सहायता, आधुनिक मशीनों और तकनीकों का प्रयोग, पर्याप्त पूंजी की व्यवस्था आदि ।

प्रमुख क्षेत्र: होंशू द्वीप का पूर्वी तट खासकर ओसाका, **ओसाका को जापान का मैनचेस्टर कहा जाता है ।**

अन्य केंद्र: कोबे, नागोया, टोक्यो, याकोहामा, वाकायामा, किसीवादा, आमागासाकी, निशिवाकी इत्यादि ।

निर्यात: सूत का निर्यात - ताइवान, भारत, दक्षिण कोरिया आदि

सूती वस्त्र का निर्यात: म्यानमार, थाईलैंड, वियतनाम, मलेशिया, भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, फिलीपींस, दक्षिण अफ्रीका आदि

रेशम वस्त्र उद्योग

यह जापान का सबसे प्राचीन उद्योग है और एक समय जापान पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आता था । इसके लिए सबसे आवश्यक रेशम के कीड़ों को यहां शहतूत और ओक के पत्तों पर पाला जाता है । शहतूत यहां के 85% खेतों में उपलब्ध है । जापान में यह उद्योग काफी उन्नत अवस्था में है ।

प्रमुख केंद्र: **नागोया ।**

अन्य केंद्र: फुकई, गुमा, ईशिकारी, एची, यामानाशी, नागानो, क्यूटो, याकोहामा आदि

हालांकि कृत्रिम रेशम उद्योग के कारण प्राकृतिक रेशम उद्योग को प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा है ।

कृत्रिम रेशम उद्योग केंद्र: कानाजावा, क्यूटो, टोक्यो, फुकई तथा ओसाका

प्रमुख निर्यात: अमेरिका

ऊनी वस्त्र उद्योग

जापान में ऊनी वस्त्र उद्योग भी विकसित अवस्था में है । यहां ऑस्ट्रेलिया से प्राप्त उन पर ऊनी वस्त्र उद्योग टिका हुआ है । हालांकि अब न्यूजीलैंड , तुर्की और यूरोप के अन्य देशों से भी उन आयात किया जाता है ।

प्रमुख ऊनी वस्त्र उत्पाद: कंबल, कालीन, शॉल, बनियान, मौजे, सैनिक वस्त्र, ट्वीड इत्यादि

प्रमुख उत्पादन केंद्र: नागोया, क्यूटो, कोबे, ओसाका, कबाना इत्यादि

प्रमुख निर्यात: संयुक्त राज्य अमेरिका तथा हांगकांग

लौह इस्पात उद्योग

यह किसी भी देश का आधारभूत उद्योग होता है और जापान लौह-इस्पात उद्योग में काफी विकसित है । जापान में लौह इस्पात उद्योग का विकास बीसवीं शताब्दी में प्रारंभ हुआ । प्रथम कारखाना 1901 में क्यूशू द्वीप के यावता नगर में 'इंपीरियल स्टीलवर्क यावता' के नाम से खुला । प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान लौह इस्पात उद्योग ने आशातीत प्रगति हासिल की ।

प्रमुख कारण: कच्चे माल की प्राप्ति लोहा तथा कोयला क्यूशू तथा होकैडो से मिल जाता है तथा शेष लौह अयस्क मंचूरिया, भारत, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया,चिली और कोयला चीन, मंचूरिया आदि देशों से आयात कर लिया जाता है ।

चित्र: जापान के उद्योग (INTERNET:http://www.hoeckmann.de/karten/asien/japan/index-en.htm)

अन्य कारण: अधिक जनसंख्या के कारण सस्ते श्रम की उपलब्धता, जल विद्युत का विकास, परिवहन के साधनों का विकास, समुद्र तटों के कारण आयात और निर्यात में सुविधा, एशिया का विस्तृत बाजार, वैज्ञानिक खोज तथा तकनीकी दक्षता आदि

प्रमुख क्षेत्र:

1. **मौजी क्षेत्र**: यह जापान का सबसे बड़ा लोहा उत्पादक क्षेत्र है । इस क्षेत्र का सबसे बड़ा केंद्र है **यावता** अन्य केंद्र मौजी, सासेव, वाकमात्सू, ताबोता, फुकोका
   प्रमुख उत्पाद: भारी मशीन, छोटी मशीन, कृषि यंत्र, जनरेटर, छपाई मशीन, जलयान, रेलवे इंजन व डिब्बे, औजार, मोटरगाड़ियां
   प्रमुख बंदरगाह: नागासाकी
2. **कैमेशी क्षेत्र**: यह जापान का दूसरा सबसे बड़ा लोहा उत्पादक क्षेत्र है । यह क्षेत्र मध्य सागर के उत्तरी किनारे से टोक्यो की खाड़ी के उत्तर पूर्व तक विस्तृत है । यहां का उद्योग अधिकांश कच्चे मालों के आयात पर निर्भर है । यहां परिवहन के साधनों का विकास से लौह इस्पात उद्योग को सुविधा मिलती है ।
   प्रमुख केंद्र: टोक्यो, याकोहामा और ओसाका
   प्रमुख उत्पाद: मशीन, जलयान, साइकिल, इस्पात पिण्ड, कृषि यंत्र

मुरारा क्षेत्र: जापान का नवीन विकसित लोहा इस्पात केंद्र है । यह होकैडो द्वीप के दक्षिणी सिरे पर स्थित है । कोयला ईशाकारी कारखानों से तथा लोहा मुरारा की खानों से प्राप्त हो जाता है ।
प्रमुख केंद्र: वेनिसी, मुरारा, सपारो
प्रमुख उत्पाद: मशीन छपाई तथा इस्पात पिण्ड

जलयान निर्माण उद्योग

यह जापान के प्रमुख उद्योगों में से हैं । इस उद्योग को प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध ने नई दिशा प्रदान की । इस उद्योग के विकास के निम्नलिखित कारण हैं:
-यहां के नागरिक कुशल नाविक होते हैं
-जापान का तट अत्यधिक कटा फटा है इसके फलस्वरूप प्राकृतिक बंदरगाह आसानी से उपलब्ध हैं
-क्युरोसियो गर्म जलधारा समुद्र तटों को जमने नहीं देती है जलयान निर्माण का कार्य साल भर चलता है
-नौसेना के लिए अत्यधिक जलपोतो की जरूरत पड़ती है
-आयात और निर्यात में जलयानो का विशेष महत्व है
-जलयान निर्माण हेतु जापान के वनों से उपयुक्त लकड़ी मिल जाती है
प्रमुख केंद्र: यावत, मौजी, नागासाकी, टोक्यो, याकोहामा, कोबे और ओसका । **यावत विश्व का सबसे बड़ा जलयान निर्माण केंद्र हैं ।**

कागज उद्योग

जापान में आधुनिक ढंग का कागज का कारखाना 1902 में खुला । बाद में इस उद्योग ने धीरे-धीरे प्रगति की । प्रथम विश्वयुद्ध के समय पर्याप्त विकास हुआ, परंतु द्वितीय विश्व युद्ध में इस उद्योग की भारी क्षति हुई । परंतु फिर भी बाद में इस उद्योग को पुनः पुनर्जीवित कर लिया गया । कच्चे माल लुगदी की आपूर्ति होकैडो तथा सखालिन द्वीप वन तथा बांस से की जाती रही । बाद में जापान ने इतना अधिक कागज का उत्पादन किया है कि विदेशों से लुग्दी का आयात करना पड़ा । घटिया किस्म के मजबूत कागज द्वारा यहां पर घरों का भी निर्माण किया जाता है ।
प्रमुख क्षेत्र: होन्शु द्वीप के कोबे, ओसाका, टोक्यो तथा होकैडो द्वीप के मुरारा
प्रमुख निर्यात: म्यानमार, मलेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड आदि

सीमेंट उद्योग

जापान विश्व का एक बड़ा सीमेंट उत्पादक देश है । यहां उत्तम कोटि का सीमेंट उत्पादन होता है । इसलिए अंतरराष्ट्रीय मांग अधिक है । कच्चे मालों में चूना पत्थर जापान में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है । जापान में सीमेंट बनाने का प्रथम कारखाना 1872 में टोक्यो के फुकागावा स्थान पर खुला । उसके पश्चात यह उद्योग लगातार प्रगति पर है ।
प्रमुख केंद्र: याकोहामा, ओसाका, कोबे
प्रमुख निर्यात: कोरिया, मलाया, म्यानमार, ईरान, फिलिपिंस, थाईलैंड, हांगकांग, ताइवान

प्रमुख उद्योग	उत्पादन (हजार टन)
लोहा	74907
इस्पात	99283
कागज	34990
रासायनिक पदार्थ	4758
सूती वस्त्र	60300
रेशमी वस्त्र	20
जलयान	155 vessels

रसायन उद्योग

यह उद्योग पूर्णत: वैज्ञानिक खोजों और नई अविष्कारों पर आधारित होता है और यही कारण है कि जापान ने अपनी तकनीकी दक्षता के बल पर इस उद्योग में विशेष प्रगति की है । कच्चे माल नमक, शोरा, गन्धक, तेजाब, चूना पत्थर जापान में ज्वालामुखी पर्वतों के कारण आसानी से उपलब्ध है ।

प्रमुख उत्पाद: गंधकीय तेजाब, गंधक, कैलशियम कार्बाईड, कास्टिक सोडा, सोडा राख, अमोनियम क्लोराइड आदि ।

अन्य उत्पाद: कोलतार, बारूद, रंग-रोगन, दवाइयां, इत्र, रसायनिक खाद आदि ।

इसके अलावा साबुन, प्लास्टिक का सामान, शीशा, दियासलाई का भी उत्पादन रासायनिक उद्योगों द्वारा ही होता है ।

प्रमुख केंद्र: टोक्यो, ओसाका, नागासाकी, क्यूटो

प्रमुख निर्यात: ईरान, पाकिस्तान, भारत, चीन, कोरिया, थाईलैंड, हिन्देशिया, ताइवान आदि । क्रमशः.....

- सन्दर्भ: एशिया का भूगोल (एस बी पी डी : चतुर्भुज ममोरिया), इन्टरनेट

बोलेंद्र कुमार अगम, सहायक प्राध्यापक, भूगोल, राजा सिंह महाविद्यालय, सिवान